Student Name - .   Roll No - 151968   Subject - ESSAY

परीक्षार्थी के लिए आवश्यक अनुदेश

इन्हें सावधानी से पढ़ें और इनका अनुपालन करें, अन्यथा दंड के भागी होंगे।

1. इस उत्तर पुस्तिका में (40) क्रमांकित पृष्ठ हैं। इनका सत्यापन कर लें। त्रुटि/कमी होने पर उत्तर पुस्तिका बदलवा लें।
2. प्रवेश पत्र से मिलान कर, केवल इस आवरण पृष्ठ पर विहित स्थान पर अपना नाम एवं अनुक्रमांक (Enrollment Number) अंतर्राष्ट्रीय अंकों तथा अक्षरों में लिखें।
3. अनुक्रमांक के सभी 'अंक' अलग-अलग बॉक्स में लिखें। 'शब्दों में' प्रत्येक अंक ठीक उसके नीचे, लम्बे बॉक्स में, (ए क / O N E) अक्षरवार लिखें।
4. उत्तर पुस्तिका के अंदर किसी पृष्ठ पर प्रश्नोत्तर के अलावा अपना नाम, अनुक्रमांक, अन्य कोई (धार्मिक) शब्द या पहचान चिह्न एवं परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें, अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जाएगी।
5. प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। परीक्षार्थी जिस प्रश्नोत्तर को लिखना चाहते हों, उसके सामने बने बॉक्स के अंदर Tick ☑ का निशान लगाएँ। उदाहरण—1.(a) ☐ or 1.(b) ☐
6. यदि आप किसी प्रश्नोत्तर को रद्द करना चाहें, तो आर-पार क्रॉस (×) कर काट दें और उस पर 'रद्द' लिखें।
7. उपस्थिति पत्र पर प्रत्येक परीक्षा के लिए वही हस्ताक्षर करें, जो उपस्थिति पत्र पर आपने पूर्व में किया है। अन्यथा, उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जाएगी।
8. प्रश्नों के उत्तर एक ही स्याही से लिखें। यदि स्याही बदलनी ही पड़े, तो इस आशय का वीक्षक (Invigilator) से आवरण पृष्ठ पर नियत स्थान पर ▣ अभिप्रमाणन अवश्य ही कराएँ।
9. उपस्थिति सूची में अपने नाम के समक्ष उत्तर पुस्तिका की संख्या अवश्य लिखें और हस्ताक्षर करें, अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जाएगी।
10. परीक्षा कक्ष में यदि कोई पुस्तक/उत्तर सामग्री आपसे बरामद होगी या नकल करते/कराते बात-चीत करते/दुर्व्यवहार करते पाए जाने की स्थिति में इस परीक्षा सहित आगामी पाँच वर्षों के लिए तथा परीक्षा से संबंधित भ्रामक एवं सनसनीखेज अफवाह फैलाने की स्थिति में तीन वर्षों के लिए आयोग की परीक्षाओं से वंचित किया जाएगा। साथ ही बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1985 के उपबंधों के अधीन भी दंडित किए जाएँगे।
11. कोई अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी।
12. उत्तर पुस्तिका सौंपने के उपरांत ही परीक्षा कक्ष से बाहर निकलें।
13. केन्द्राधीक्षक के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।

504

EXAM.—20/FI/CC/M-2023-38

विषय : निबंध

SUB : ESSAY

उत्तर का माध्यम : हिन्दी अंग्रेजी उर्दू
Answer Medium : Hindi English Urdu
● ○ ○

Subject Barcode :

तिथि/Date 06/01/2024

प्रश्न संख्या Q. No.	प्राप्तांक/Marks Obtained (परीक्षक भरेंगे)

कुल (अंकों में) TOTAL (in figures)

कुल (शब्दों में) TOTAL (in words)

परीक्षक EXAMINER   प्रधान परीक्षक HEAD EXAMINER

विषय : निबंध
SUB : ESSAY
EXAM.—20/FI/CC/M-2023-38

23810518

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

[Full Marks : 300

about 700 to 800 words : 100

शब्दों में एक निबंध लिखिए :

ding the mysteries of the

क है

ral economy of the nation

क बना सकते हैं

and corruption

कारण है

onized human awareness

नोलॉजी के प्रति जागरूकता में

ए० स्वामीनाथन
ारतीय अर्थव्यवस्था
शरीर भी है।"
ान इसलिए
ए एवं कृषि
अन संस्था का

दें
ice

Join Telegram: BPSC Network

पर न लिखें
WRITE ON THIS PAGE

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

ESSAY

Time : 3 Hours] [*Full Marks* : 300

Section—I

खण्ड—I

Write an essay on any **one** of the following topics in about *700* to *800* words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग *700* से *800* शब्दों में एक निबंध लिखिए :

1. ☐ Science and technology are helpful in understanding the mysteries of the universe

   विज्ञान और प्रौद्योगिकी ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने में सहायक हैं

2. ☑ Improving the agricultural system can support the rural economy of the nation

   कृषि व्यवस्था में सुधार कर देश के ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त बना सकते हैं

3. ☐ Black money economy is the main cause of crime and corruption

   काले धन की अर्थव्यवस्था अपराध और भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है

4. ☐ The modern communication revolution has revolutionized human awareness of means of communication and technology

   आधुनिक संचार क्रांति ने मानव के संचार के साधनों और टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूकता में क्रांतिकारी रूप से वृद्धि की है

~~प्रस्तावना~~

प्रसिद्ध वैज्ञानिक एम० एस० स्वामीनाथन का कहना था- "कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ ही नहीं पूरा शरीर भी है।" स्वामीनाथन जी का यह कथन इसलिए भी सटीक है क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की जनसंख्या का

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

लगभग 70-75 प्रतिशत कृषि कार्यों में लगी हुई है। यह देश के लोगों के लिए रोजगार का साधन होने के साथ-साथ सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देती है, साथ ही निर्यातों के जरिए विदेशी मुद्रा भी अर्जित करती है।

भारत की कृषि व्यवस्था मुख्यतः पारंपरिक तरीकों पर निर्भर है। यह जीवन निर्वाह के लिए की जाती रही है। प्राचीन काल में जब जनसंख्या सीमित थी तब पारंपरिक तरीकों का प्रयोग करके भी जीवन निर्वाह संभव था। गाँव अर्थव्यवस्था के केन्द्र होते थे तथा भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक थी।

ऋग्वैदिक समाजों में यह उदाहरण मिलता है कृषि जीवन निर्वाह के लिए पर्याप्त थी। परंतु जैसे-जैसे जनसंख्या

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

में वृद्धि हुई, संसाधनों की माँग बढ़ने लगी तथा अधिक उत्पादन एवं उत्पादकता प्राप्त करने के लिए कृषि व्यवस्था में सुधार की जरूरत महसूस हुई।

कृषि व्यवस्था में सुधार कर न सिर्फ देश को प्रगति के नए आयाम प्राप्त होंगे बल्कि वो ग्रामीण अर्थतंत्र जो प्राचीन काल से ही भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है, उसे सशक्त कर सकते हैं। इसके लिए हमे दो प्रश्नों का उत्तर ढूंढना होगा। पहला कि कृषि व्यवस्था में कौन से सुधार किए जा सकते हैं? तथा दूसरा क्या इन सुधारों से ग्रामीण अर्थतंत्र सशक्त बन पाएगा?

पहले प्रश्न के उत्तर के लिए हमें विश्व के विभिन्न देशों की कृषि व्यवस्था में सुधार को समझना होगा। इसका सबसे अच्छा उदाहरण कैलिफोर्निया मॉडल है

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

~~जहाँ सिंचाई के कम साधन क्षेत्र~~
जहाँ जलवायिक दशाएं एवं मिट्टी बहुत ज्यादा अनुकूल न होने पर भी तकनीक एवं विज्ञान की सहायता से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए गए। अतः यहाँ यह मानने में कोई समस्या नहीं है कि कृषि में तकनीकी सुधार जरूरी है। इन सुधारों में अच्छी गुणवत्ता के बीज, सिंचाई के साधन, फसल निरीक्षण तथा तकनीकों का प्रयोग करके उत्पादकता तथा उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।

भारत में हरित क्रांति के समय भी ऐसे उपायों को अपनाया गया जिससे भारत संपूर्ण आयातक देश से निर्यातक देश में बदल गया। परंतु इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी रहे जैसे - मिट्टी की लवणता बढ़ने से उर्वरा शक्ति का कम होना तथा भू-जल स्तर का कम होना। अतः कृषि व्यवस्था

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

में ऐसे सुधार किए जाए जो न सिर्फ उत्पादन और उत्पादकता को ध्यान में रखे बल्कि पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन को भी ध्यान में रखे।

कृषि व्यवस्था में तकनीकी सुधार के अतिरिक्त संस्थागत सुधार भी जरूरी है। इनमें भूमि सुधार तथा संस्थागत ऋण उपलब्धता जैसे - सुधार शामिल है।

परंतु अब दूसरा प्रश्न यह है कि क्या कृषि सुधार से देश का ग्रामीण अर्थतंत्र वास्तव में सशक्त होगा? इस प्रश्न के उत्तर के लिए कृषि तथा ग्रामीण अर्थतंत्र के बीच के संबंध का विश्लेषण जरूरी हो जाता है।

गाँव की सर्वमान्य परिभाषा के अनुसार जहाँ 75 प्रतिशत से ज्यादा लोग कृषि कार्य में संलग्न हो। ग्रामीण अर्थतंत्र और कृषि में घनिष्ठ तथा अटूट संबंध है। एक ग्रामीण अर्थतंत्र के

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

~~मुख्यत~~ अधिकतर रोजगार कृषि पर निर्भर होती है। ग्रामीण अर्थतंत्र कृषि उत्पाद के मांग और पूर्ति पर टिका होता है। ग्रामीण अर्थतंत्र तभी सशक्त हो सकता है जब कृषि एवं सहवर्ती क्रियाकलापों के मांग तथा पूर्ति में संतुलन बना रहे।

मांग तथा पूर्ति का यह संतुलन तभी बना रह सकता है जब ग्रामीण अर्थतंत्र की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करें। परंतु जनसंख्या वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएं जैसी समस्याएं न सिर्फ इस उत्पादन को कम करती हैं बल्कि मांग और पूर्ति को असंतुलित भी करती है।

कृषि में तकनीकी सुधार करके उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। जिससे ज्यादा जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा संभव हो पाएगी। वहीं दूसरी तरफ

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

कृषि में संस्थागत सुधार करके इन्हें गैरसंस्थागत ऋण स्रोतों से छुटकारा मिलेगा जिससे किसानों की आय तो बढ़ेगी ही साथ ही किसानों की आत्महत्या के मुद्दे भी कम होंगे।

महात्मा गाँधी ने भी 'आत्मनिर्भर गाँव' का विचार दिया था और उनका यह भी मानना तथा ये आत्मनिर्भर गाँव संपूर्ण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएँगे।

परंतु ग्रामीण अर्थतंत्र का सशक्तिकरण सिर्फ कृषि में सुधारों से नहीं होगा बल्कि इसके लिए कृषि के सहवर्ती क्षेत्र जैसे - पशुपालन, मछलीपालन इत्यादि पर भी ध्यान देना होगा। इसके अतिरिक्त ग्रामीण अर्थतंत्र के सशक्तिकरण के लिए कृषि क्षेत्र के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण एवं औद्योगिक प्रशिक्षण के द्वारा सेवा एवं उद्योग क्षेत्र पर भी ध्यान देना

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

होगा।

कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है क्योंकि यह कई उद्योगो के लिए कच्चे माल का भी कार्य करती है। इन कच्चे माल के जरिए किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। इस संदर्भ में कृषि में निजी निवेश तथा अनुबंध आधारित कृषि की अवधारणा प्रचलन में है।

ग्रामीण अर्थतंत्र के सशक्तिकरण के लिए डिजिटल कृषि को अपनाना पड़ेगा। विभिन्न ऐप्स के जरिए जलवायु दशाओं को ध्यान में रखकर बेहतर उत्पादन एवं उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है।

वर्तमान में विभिन्न स्तर की सरकारें केन्द्र तथा राज्य स्तर पर कई योजनाओं का कार्यान्वयन भी कर रही है जो कृषि व्यवस्था में सुधार करके ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त बनाने के

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

लिए ~~कई~~ दृढ़संकल्पित है। इन योजनाओं में हरित क्रांति 2.0, न्यूनतम समर्थन मूल्य, ~~@~~ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि इत्यादि प्रमुख है।

ग्रामीण अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा मत्स्य संपदा योजना तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के साथ-साथ कृषि निर्यात क्षेत्र बनाने तथा कृषि निर्यात को बढ़ावा देने ~~के~~ के लिए कृषि निर्यात नीति का भी अनुसरण किया जा रहा है।

हालाँकि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में समस्याएं हैं। इनमें भ्रष्टाचार ही एक प्रमुख समस्या दिखती है। अदम गोंडवी कहते हैं -

"तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है।
मगर ये दावे झूठे और आँकड़े किताबी हैं।"

समग्रत: ग्रामीण अर्थतंत्र का सशक्तिकरण कृषि व्यवस्था में सुधार के

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

अतिरिक्त लघु उद्योगों को बढ़ावा देने से हो पाएगा। इसके लिए न सिर्फ कृषि क्षेत्र में बल्कि पूरे ग्रामीण अर्थतंत्र को समेकित दृष्टि से देखते हुए सतत, समावेशी तथा समृद्ध गाँव की परिकल्पना की जा सकती है। वर्तमान में बिहार सरकार की सात निश्चय 2.0 योजना भी इसी मार्ग पर आगे बढ़ रही है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

Section—II
खण्ड—II

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

5. ☑ Current status of women empowerment : In perspective of political empowerment
महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति : राजनैतिक सशक्तिकरण के परिप्रेक्ष्य में

6. ☐ Need and importance of Yoga for spiritual progress and physical and mental development
आध्यात्मिक उन्नति तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए योग की आवश्यकता और महत्त्व

7. ☐ Advantages and disadvantages of the New Education Policy, 2023
नई शिक्षा नीति, 2023 के फायदे और नुकसान

8. ☐ Impact of climate change on Indian agriculture and prevention measures
भारतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा बचाव के उपाय

भारतीय संविधान निर्माता डा० भीमराव अंबेडकर ~~के अन्~~ ने एक बार कहा था, "मैं किसी समाज की प्रगति का आकलन वहाँ की महिलाओं की स्थिति से करता हूँ।"

अंबेडकर की इन पंक्तियों के द्वारा समाज या राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं के योगदान को समझा जा सकता है। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

महिलाएँ समाज की प्रगति में किसी-न-किसी रूप में योगदान देती आ रही हैं। ऋग्वेद में भी हमें गार्गी तथा अपाला जैसी महिलाओं के उदाहरण मिलते हैं। ~~मध्य~~ प्राचीन काल में कई महिला शासकों के भी उदाहरण मिलते हैं जिसमें काकतीय वंश की रुद्रमादेवी प्रमुख है।

मध्ययुग में दिल्ली सल्तनत में रजिया सुल्तान जैसी शासिकाओं को देखा जा सकता है। इसके बाद औपनिवेशिक काल में राजनीतिक अधिकारों की जागृति तथा स्वतंत्रता संघर्ष में अनेक महिलाएँ प्रमुख रहीं।

आजादी के बाद से वर्तमान तक महिलाओं की स्थिति राजनैतिक स्तर पर करने के लिए हमें विभिन्न चरणों में महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रक्रिया को देखना होगा।

लेकिन इससे पहले प्रश्न यह उठता है कि महिला सशक्तिकरण का क्या अर्थ है? इसकी क्या स्थिति रही है? वर्तमान

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही खाना में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in the margin

परिप्रेक्ष्य में राजनैतिक स्तर पर भारत एवं विश्व में इसकी क्या स्थिति है? क्या यह स्थिति संतोषजनक है? अगर नहीं तो आगे क्या किया जा रहा है और क्या किया जा सकता है?

महिला सशक्तिकरण को कई अर्थों में समझा जाता रहा है परंतु इसकी सबसे सर्वमान्य परिभाषा रही है कि जब महिलाएँ अपने निर्णयों को करने में स्वतंत्र हो जाए। वर्तमान संदर्भों में बात की जाए तो यह प्रक्रिया के रूप में चल रहा है।

महिलाएँ कुल जनसंख्या की लगभग 50 प्रतिशत होती है। ऐसे में राजनीतिक स्तर पर उनका सशक्तिकरण जरूरी है, जिसे स्वामी विवेकानंद की भाषा में समझा जा सकता है –

"मनुष्य एक पंख से उड़ान भरने की कोशिश कर रहा है। अगर नारी रूपी दूसरा पंख भी उसमें जुड़ जाए तो

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

समाज एवं राष्ट्र उन्नति की नई ऊँचाईयों को प्राप्त कर लेगा।"

वैश्विक स्तर पर महिलाओं की राजनीति में भागीदारी की बात करे तो कई विकसित देश इसमें बहुत पीछे नजर आते है। उदाहरण के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित देश में भी अब तक कोई महिला राष्ट्रपति न बनना विकास के मॉडल पर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है।

हालाँकि कुछ स्कैंडेनेवियन देश जैसे फिनलैंड, नार्वे, स्वीडन तथा कुछ अन्य देश, जैसे-स्विट्जरलैण्ड की स्थिति महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के मामले में अच्छी दिखती है। इनमें से कुछ देश तो ऐसे भी है जहाँ के मंत्रिमंडल में 50% से अधिक महिलाएँ है। इसके अतिरिक्त कुछ देश ऐसे भी है जहाँ यह प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जैसे - इटली में जॉर्जिया मेलोनी का प्रधानमंत्री चुना जाना।

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

हालाँकि एशिया के देश जैसे - चीन, जापान तथा भारत इस मामले में पिछड़े से नजर आते हैं। भारत की बात की जाए तो वर्तमान में कुल 82 महिला सदस्य संसद में है जो कुल संख्या का मात्र 15 प्रतिशत है। राज्य की विधानसभाओं की स्थिति भी कुछ ऐसी है जहां महिला प्रतिनिधित्व मात्र 10 प्रतिशत के आस-पास है।

हालाँकि 73 वें तथा 74 वें संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा पंचायती राज में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना महिलाओं के राजनैतिक सशक्तिकरण की दिशा में युगांतकारी कदम रहा है। कुछ राज्यों जैसे बिहार ने तो यह आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया जिससे न सिर्फ पंचायत तथा नगरपालिका स्तर पर महिलाओं को अपने राजनीतिक अधिकारों का ज्ञान हुआ बल्कि वे आर्थिक तथा सामाजिक

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

रूप से भी सशक्त हुई है। पंचायती राज मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 56.4% है।

लेकिन महिलाओं के सशक्तिकरण की यह प्रक्रिया भले ही तीव्र हो और देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मु पद को सुशोभित कर रही हो परंतु धरातल पर कई ऐसी चुनौतियां हैं जिसका समाधान किए बिना महिलाएं राजनीतिक रूप से सशक्त नहीं हो सकती।

इन चुनौतियों में सबसे बड़ी चुनौती है साक्षरता में कमी तथा राजनीतिक जागृति का न होना। 2011 की जनगणना में महिला साक्षरता दर केवल 65 प्रतिशत के आस-पास है जो यह दिखाता है कि महिलाएं शिक्षा के स्तर पर कम होने के कारण राजनीतिक रूप से सशक्त नहीं हो पाती हैं।

दूसरी प्रमुख चुनौती है पितृसत्तात्मक समाज एवं पुरुष प्रधानता। पंचायतों

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

के स्तर पर यह बात देखी जाती रही है कि महिलाओं के प्रतिनिधि चुने जाने के बाद भी उसके पति या पिता उसके कार्यों को करते है। ऐसे में राजनीति में आने के बाद भी वह राजनीतिक निर्णय लेने को स्वतंत्र नही है। अत: इसे वास्तव में राजनीतिक सशक्तिकरण नहीं माना जा सकता।

तीसरी चुनौती है कि महिलाओं को समाज ने अधीनस्थ मानते हुए घरों के भीतर रखा और उसे शिक्षा से वंचित रखा। कहा भी गया है -

"विद्या हमारी भी न तब तक
काम में कुछ आएगी
अर्द्धांगिनी को भी सुशिक्षा
दी न जब तक जाएगी।"

परंतु वर्तमान सरकार ने हाल ही में 106 वें संविधान संशोधन के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया है जो महिलाओं को

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

लोकसभा, राज्य की विधानसभाओं तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में 33% आरक्षण का प्रावधान करता है। हालांकि इसके क्रियान्वयन में भी कुछ समस्याएं हैं परंतु राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में इसे एक बेहतर कदम के रूप में देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त पंचायतों के स्तर पर भी महिला प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम कराकर उनकी राजनीतिक जागृति की जा रही है।

महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए कई वैश्विक प्रयास भी किए गए हैं जिसमें नारीवाद के विभिन्न आयामों ने अपने स्तर पर राजनीतिक अधिकारों की मांग शुरू की है। महिलाओं से संबंधित विषयों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से आना इस बात का परिचायक है। नारीवादियों ने ~~पर्सनल~~ 'Personal is political'

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

तथा 'Women are not born but made' जैसे नारों के द्वारा सशक्तिकरण की दिशा में नया अध्याय जोड़ा है। हालांकि इस दिशा में कागजों की बजाए धरातल पर बहुत सारा कार्य होना अभी भी बाकी है। प्रसंगवश अदम गोंडवी की कुछ पंक्तियाँ याद आती है –

"तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है
मगर ये आँकड़े झूठे और दावे किताबी है।"

समग्रत / महिला सशक्तिकरण

समग्रत: महिलाओं की स्थिति राजनीतिक स्तर पर बेहतर हुई है। महिलाएँ न सिर्फ राजनीतिक तौर पर अपने अधिकारों के प्रति सजग है बल्कि दूसरी महिलाओं को भी इसके प्रति जागरूक कर रही है। हालांकि इस दिशा में अभी काफी कार्य किया जाना बाकि है, परंतु वैश्विक स्तर पर महिलाओं की प्रगति के बगैर मनुष्य की प्रगति के बारे में

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

सोचना भी बेईमानी लगती है, क्योंकि –

"नारी तुम नही हो अबला, नही हो असहाय
तुम्हारे बिन तो जग ही संभव
न हो पाए।"

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

Section—III

खण्ड—III

Write an essay on any **one** of the following topics in about *700* to *800* words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग *700* से *800* शब्दों में एक निबंध लिखिए :

9. ☐ Bin samaj ke boli ho sakela ka, bin boli (Bhasha) samaj ho sakela ka!
बिन समाज के बोली हो सकेला का, बिन बोली (भाषा) समाज हो सकेला का!

10. ☐ Dhobiyak kukur nen ghar ke ne ghat ke
धोबियक कुकुर नें घर के ने घाट के

11. ☑ Agu nath nai pachhu pagaha, bina chhan ke kude gadha
आगु नाथ नै पाछू पगहा, बिना छान के कूदे गधा

12. ☐ Aner dhuner ke Ram rakhavar
अनेर धुनेर के राम रखवार

बिहार की प्रसिद्ध लोकोक्ति 'आगु नाथ नै पाछू पगहा, बिना छान के कूदे गधा' वास्तव में भारतीय संस्कृति के अंदर ~~[illegible]~~ समाहित ज्ञानात्मक तथा उपदेशात्मक तथ्य है जिसमें नाथ का सामान्य अर्थ बैल के नाक से बंधे रस्सी से है जबकि पगहे का संबंध उसको बांधकर रखे जाने वाले रस्सी से है।

यह लोकोक्ति मुख्यत: परम स्वच्छंदतावाद की बात करती है कि जो व्यक्ति परम रूप से स्वच्छंद

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

होता है तथा जिसको बांधने के लिए न तो आगे कोई डोर होती है और न पीछे। वह बिना विवेक तथा चिंतन के कार्य करके उस गधे के समान दिखाई पड़ता है जो स्वयं कोई आत्मसंधान नहीं करता।

प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक, भारत से लेकर वैश्विक स्तर पर यह देखा जाता रहा है कि किसी भी व्यक्ति की सफलता में अनुशासन, समर्पण तथा मौलिकता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कहा भी गया है-

"बिना बिचारे जो करै
सो पाछे पछिताए"

व्यक्ति की सफलता में अनुशासन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अनुशासन के द्वारा समयबद्धता आती है तथा किसी भी कार्य को करने के लिए नियोजन आसान हो जाता है। उदाहरण के तौर प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी विराट कोहली

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

आज इतने सफल इसलिए है क्योंकि उन्होंने खुद को न सिर्फ क्रिकेट कोच जैसे नाथ के अंतर्गत रखा है बल्कि अनुशासन, कड़ी मेहनत तथा समर्पण जैसे पत्रहे से भी खुद को बाँधा है।

ऐतिहासिक तौर पर बुद्ध हो या महावीर, गाँधी हो या टैगोर, इन सभी ने अनुशासन, समर्पण, आत्मचिंतन, आत्मसंधान इत्यादि के द्वारा अपने जीवन को आगे बढ़ाया जिसके कारण इन लोगों की सफलता हमारे समाज के लिए एक आदर्श बन गए हैं।

परंतु प्रश्न यह उठता है कि व्यक्ति के जीवन में यह नाथ कौन है? असल में यह नाथ परिवार, समाज, संस्कृति, मित्र इत्यादि कोई भी हो सकता है। ये नाथ न सिर्फ व्यक्ति के जीवन के मार्गदर्शक होते हैं बल्कि अपने अनुभवों द्वारा जीवन के परम सत्य की खोज में भी सहायक होते हैं।

परंतु इसका दूसरा पहलू यह

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएं। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

भी है कि ये नाथ इतने मजबूत और कठोर नहीं होने चाहिए कि बदले ही न जा सके। उदाहरण के लिए जब किसी व्यक्ति पर ज्यादा निर्बंधन लगाए जाते हैं तब उसके व्यक्तित्व का उस तरह से विकास नहीं हो पाता जो कम निर्बंधन पर होता।

अंग्रेजी शासन के दौरान 1857 ~~की~~ के विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण एक साथ विद्रोह का शुरू न होना (अनुशासन की कमी) तथा बेहतर ~~नि~~ योजना का न होना था।

~~इसके अतिरिक्त नाथ~~ नाथ के साथ-साथ व्यक्ति की सफलता में पगहे का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह न सिर्फ कार्य होने के बाद आत्म-अनुसंधान का एक अवसर सृजित करता है बल्कि जिम्मेवारी का भी एहसास कराता है।

पगहे तथा नाथ के होने के बाद भी सफलता सुनिश्चित नहीं की जा

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

सकती। इसके लिए हर क्षेत्र में चाहे राजनीतिक हो या सामाजिक आर्थिक हो या पर्यावरणीय, अपनी योजना के प्रभाव की जाँच-पड़ताल जरूरी है। उदाहरण के लिए जब भारत में तीन नए कृषि कानूनों को लाया गया तब इसके नकारात्मक पक्ष पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया तथा बाद में सरकार को इसे वापस लेना पड़ा।

राजनीति में भी कई ऐसे निर्णय ले लिए जाते है जो लोक-लुभावन होते है। उदाहरण के लिए फ्रीबीज का दिया जाना। परंतु दीर्घकालिक स्तर पर ये राष्ट्र के लिए उचित नहीं माने जा सकते।

अब प्रश्न उठता है कि व्यक्ति या समाज या राष्ट्र किसी निर्णय को कैसे ले जो व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र को उन्नति की नई ऊँचाईयों पर ले जाए। तो इसका जबाव है एक बेहतर आकलन प्रणाली का इस्तेमाल करके अपनी बुद्धि एवं विवेक का प्रयोग करके

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

समाज पर इसके विस्तृत प्रभाव को देखते हुए यह किया जा सकता है। राम की शक्ति पूजा में जब शक्ति रावण के पक्ष में होती है और राम की तैयारी पूरी नहीं होती, तब जाम्वंत राम को समझाते हैं -

"शक्ति की करो मौलिक कल्पना
करो वंदन,।
जब तक न सिद्धि हो,
रण छोड़ दो रघुनंदन ॥" [राम की शक्ति पूजा → निराला]

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रोल्ट प्रैस का भी कहना है कि, "Any aim can be achieved by a good planning and better execution in a proper direction."

परंतु कई बार ऐसी स्थितियाँ भी आती हैं जब हमारे आगे-पीछे कोई नहीं होता और किसी भी कार्य के लिए तत्काल निर्णय लेना होता है। ऐसे में योजना निर्माण के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे में हमारे निर्णय

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

सही होंगे या गलत यह भविष्य की ओढ़ में होता है।

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। अगर विश्व के सभी देश साथ-मिलकर नियमबद्ध तरीके से पर्यावरण प्रभाव आकलन के जरिए योजना निर्माण तथा उस पर अमल करे तो जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे कम हो जाएँगे।

समग्रत: व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र की सफलता उसकी परिस्थितियों तथा उसकी कार्ययोजना के क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। परम स्वच्छंदता निरंकुश स्वतंत्रता लेकर आती है तथा दूसरे की स्वतंत्रता को कम करती है। ऐसे में व्यक्ति को अपने विवेक, चिंतन, मनन एवं आत्मसंधान के जरिए जिम्मेवारी के साथ समाज तथा राष्ट्र हित में एक कार्ययोजना बनाकर उस पर समयबद्ध तथा अनुशासित तरीके से कार्य करना चाहिए, फिर मंजिल

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

कितनी भी मुश्किल हो जरूर मिलती है।
अज्ञेय भी कहते है-

"श्रेय नहीं कुछ मेरा
मैं तो खुद डूब गया था शून्य में
वीणा को न साधा रहा था
बस अपने को शोध रहा था।"
[असाध्य वीणा]

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

रश्नों के सामने
दे सही बॉक्स में
Tick ☑ का
निशान लगाएँ।
Mark Tick ☑
in the
appropriate
box in front of
Question No.

इस हाशिए में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें
Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगाएँ। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिए में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidates should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें

Please Cross (×) unused space

Join Telegram: BPSC Network

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

Join Telegram: BPSC Network

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

★★★

Join Telegram: BPSC Network